सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 284 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 22 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

एक-साथ आना एक शुरूआत है। एक साथ रहना प्रगति है। एक साथ काम करना सफलता है।

-हेनरी फोर्ड

भारत पहली पारी में 150 रन... 7 | थोड़ा इंतजार कर लीजिए नेता... 3 | भाजपा सरकार की चुनावी धांधली... 2

किसका होगा महाराष्ट्र और झारखंड, क्या होगा यूपी में

अन्य राज्यों के उपचुनाव नतीजों पर भी रहेगी सबकी निगाह

» दोनों राज्यों में सक्रिय हुए सियासी दल, नेताओं के मिलने-जुलने का दौर भी शुरू

» विपक्षी दलों ने कार्यकर्ताओं को किया आगाह, मतगणना स्थलों पर भाजपा पर रखें नजर

» सीएम पद को लेकर महायुति में रार!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल यानी शनिवार 23 नवम्बर को महाराष्ट्र, झारखंड के विधानसभा चुनावों व यूपी समेत चार राज्यों के उपचुनाव के नतीजे आएंगे। अब कल ये पता चल जाएगा की एनडीए पर लोगों का विश्वास और कम हुआ है या इंडिया गठबंधन पर भरोसा बढ़ा है। उधर एक दिन पहले चुनावी राज्यों व क्षेत्रों में राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है। कांग्रेस, सपा, शिवसेना-एनसीपी दोनों गुट व झामूमो अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। कुल मिलाकर कल सुबह आठ बजे वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी और दोपहर होते-होते पिक्चर सामने आने लगेगी कि इन दोनों राज्यों में किसकी सरकार बनेगी। शुक्रवार को दोनों गठबंधनों के नेता एकदूसरे से मिलना शुरू कर दिये हैं।

उधर महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग के बाद आए ज्यादातर एग्जिट पोल महायुति की जीत की ओर इशारा कर रहे हैं, इसको लेकर तमाम राजनीति दलों के नेताओं की प्रतिक्रिया भी आ रही है। कोई इसे मान रहा है तो कोई नकार रहा है। इन सबके बीच शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठकारे व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से मतगणनाा स्थलों पर भाजपा पर कड़ी नजर रखने व सतर्क रहने को कहा है। शिवसेना की नेता डॉ. मनीषा कायंदे ने कहा कि एग्जिट पोल के नतीजे उत्साहवर्धक हैं, हम जो काम करते हैं उसपर लोग विश्वास करते हैं, तभी लोगों ने हमें वोट दिए हैं। मुख्यमंत्री पद को लेकर मनीषा कायंदे ने कहा कि हमारे पास मुख्यमंत्री पद की रस्सी नहीं है, हमने चुनाव से पहले भी ऐसा कोई बयान नहीं दिया था, अजित पवार के बैनर उनके कार्यकर्ताओं की भावनाएं हैं और हमने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के चेहरे पर चुनाव लड़ा है, इसके साथ शिवसेना नेता ने दावा किया कि कई निर्दलीय हमारे साथ हैं, कुछ निर्दलीय प्रत्याशी भी हमारे सिंबल पर चुनाव लड़े ह, महा विकास अघाड़ी निर्दलीय विधायकों को मजबूर कर रही है या प्रलोभन दे रही है, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने शिवसेना-यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले पर भी निशाना साधा। मनीषा कायंदे ने एग्जिट पोल पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के बयान को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि नाना पटोले घुटनों को मोड़कर बैठे और कुछ घंटों तक इसका आनंद लेने दें। इसके अलावा उन्होंने शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत के बयान पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि आखिर महाराष्ट्र में डिब्बा संस्कृति किसने शुरू की। प्रकाश आंबेडकर ने दो साल पहले उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन किया था, लेकिन राउत ने आंबेडकर का अपमान किया।

यूपी-राजस्थान में ये है हाल

यूपी में 9 सीटों जबकि राजस्थान में 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुआ है। सटोरियों की मुताबिक, यूपी में बीजेपी को 5-6 सीटें मिलने का अनुमान है। जबकि सपा के खाते में 2-3 सीटें जा सकती हैं, उधर, राजस्थान मे फलोदी सट्टा बाजार बीजेपी के खाते में 5-6 सीटें जाने का अनुमान जता रहे हैं, जबकि कांग्रेस और अन्य को 1-1 सीट मिलने की उम्मीद है।

एग्जिट पोल हो जाएंगे फेल! फलोदी सट्टा बाजार के ताजा भाव ने सबको चौंकाया

चुनाव नतीजों से पहले आए एग्जिट पोल ने सबको चौंका दिया है। ज्यादातर एग्जिट पोल महाराष्ट्र और झारखंड में एनडीए सरकार बनने की ओर इशारा कर रहे हैं, वहीं, अब फलोदी सट्टा बाजार ने चुनाव नतीजों को लेकर जो अनुमान जताया है वह और भी चौंकाने वाला है। कुछ सट्टेबाज एडीए पर बढ़त लगा रहे हैं तो कुछ इंडिया गठबंधन पर भाव लगा रहें है। हालांकि फलोदी सट्टा बाजार ने महाराष्ट्र में महायुति (एनडीए) की सरकार बनने का अनुमान जताया है, यहां महायुति गठबंधन को 143-146 सीटें मिलने का दावा किया गया है,जबकि बीजेपी को अकेले 90-93 सीटें मिलती दिख रही हैं, सट्टा बाजार में महायुति का भाव 40 पैसे का चल रहा है। जबकि महाविकास अघाड़ी का भाव 1 रुपये का है। इसी तरह झारखंड में भी फलोदी बाजार बीजेपी गठबंधन की सरकार बनाने के पक्ष में है, 81 सीटों वाले राज्य में एनडीए को 44-46 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है, झारखंड में भी एनडीए का भाव 40 पैसे है।

जयंत पाटील और थोराट ने उद्धव ठाकरे से की मुलाकात

रिजल्ट से पहले महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने अहम बैठक की। माना जा रहा है कि परिणाम से पहले एमवीए ने सभी पहलुओं पर चर्चा की हो। वइस मीटिंग के बाद एनसीपी शरद पवार गुट के जयंत पाटील और बालासाहेब थोराट उद्धव ठाकरे से मिलकर मातोश्री से निकले है। मीटिंग खत्म होने के बात ये सभी नेता उद्धव ठाकरे से मिलने मातोश्री पहुंचे हैं। होटल हयात में चलने वाली एमवीए की मीटिंग खत्म होने के बाद शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत, शरद गुट के जयंत पाटील और कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट एक ही गाड़ी से निकले।

छोटे दल और निर्दलीय प्रत्याशी भी सक्रिय

इस बार महाराष्ट्र व झारखंड में दोनों गठबंधन के घटक दलों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, लेकिन इस बार चुनावी मैदान में कई छोटे दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी से राज्य की राजनीति में नए समीकरण बनते दिख रहे हैं। ऐसे में अब चर्चा है कि ये छोटे दल और निर्दलीय प्रत्याशी किसका साथ देंगे? अगर वंचित बहुजन आघाड़ी की करें तो यह पार्टी दलित और पिछड़े वर्ग के हितों की बात करती है, वंचित बहुजन आघाड़ी की ताकत विशेष रूप से मुंबई, नासिक और मराठवाड़ा क्षेत्र में देखी जा सकती है, इस पार्टी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर का दावा है कि उनकी पार्टी राज्य के सामाजिक और आर्थिक कमजोर वर्गों की आवाज बनेगी।

जो बहुमत में आएगा उसी का साथ देंगे : प्रकाश आंबेडकर

वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने बड़ा ऐलान कर दिया है। प्रकाश आंबेडकर ने कहा है कि जो भी सरकार बनाएगी उस बहुमत को समर्थन देकर वो साथ आएंगे चाहे फिर वो एमवीए हो या महायुति हो।

वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एस पर पोस्ट कर कहा, अगर कल वीबीए को महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी या गठबंधन को समर्थन देने के लिए संया मिल जाती है, तो हम उसी के साथ रहना पसंद करेंगे जो सरकार बना सके। हम साा में रहना चुनेंगे।

भाजपा सरकार की चुनावी धांधली का डटकर सामना करें : अखिलेश

» सपा अध्यक्ष बोले - मतगणना स्थलों पर कार्यकर्ता रखें कड़ी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने शनिवार को होने वाली उपचुनावों की मतगणना के दिन कार्यकर्ताओं से गणना स्थलों पर मुस्तैद रहने को कहा है। सपा नेता कहा जिस तरह से उपचुनावों में भाजपा की धांधली सामने आर रही है उससे पार्टी के लोगों की सक्रियता की चारो ओर सराहना हो रही है। नौ सीटों पर मतदान के बाद मतगणना से एक दिन पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं व समर्थकों से अपील की है कि वो पूरी तरह सतर्क रहें और शनिवार को मतगणना के बाद जीत का प्रमाण पत्र लेकर ही लौटें। उन्होंने कहा कि हम नैतिक रूप से जीत चुके हैं, बस प्रमाणपत्र मिलना बाकी है।

अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि इंडिया गठबंधन-समाजवादी पार्टी की सजगता व सक्रियता से जिस तरह हमारे मतदाताओं, समर्थकों, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, नेताओं, उम्मीदवारों, समस्त पीडीए समाज व कुछ ईमानदार मीडियाकर्मियों ने भाजपा सरकार की चुनावी धांधली का डटकर सामना किया है, उसकी प्रशंसा हर ओर हो रही है। ये सक्रियता आगे भी जारी रहेगी और अपनी सरकार बनाएगी। अखिलेश यादव ने मीडियाकर्मियों से भी अपील की है। उन्होंने कहा कि ईमानदार मीडियाकर्मियों से भी ये अतिरिक्त अपील है कि वो भी अपने कैमरे और क़लम लेकर मुस्तैदी से डटे रहें और बड़े-बड़े मीडिया चैनलों और उनके पत्रकारों को बताएं कि कोई बड़ा दिखावटी चमक-दमक से नहीं बल्कि अपने ईमानदार काम से होता है। आपकी सत्यनिष्ठा और सकारात्मक सक्रियता ही आपकी सार्थकता है। आपका एक सच सौ झूठों पर भारी साबित होगा।

दिन-पर-दिन गिरती जा रही है भाजपा के समर्थकों की संख्या

सच तो ये है कि जिस प्रकार भाजपा और उनके संगी-साथियों के चुनावी घपलों से लेकर राजनीतिक हथकंडों तक का लगातार पर्दाफाश हो रहा है, उससे भाजपा का समर्थन करनेवालों की संख्या दिन-पर-दिन गिरती जा रही है। जनता भाजपा को चुनना नहीं चाहती है, इसीलिए भाजपा भ्रष्ट शासन-प्रशासन-प्रचार तंत्र का दुरुपयोग करके सरकार में बने रहना चाहती है। उम्मीद है धीरे-धीरे सबको ये समझ आ जाएगा कि चाहे नेता हों या अधिकारी, भाजपा सबको पहले लालच या अन्य किसी दबाव या भावनात्मक रूप से झांसा देकर गलत काम करवाती है फिर जब वो पकड़े जाते हैं, उनका निलंबन होता है, उनपर मुकदमा होता है, उनकी नौकरी जाती है या उनको जेल होती है या फिर समाज-परिवार अथवा विभाग में बदनामी होती है तो भाजपा उनसे पल्ला झाड़ लेती है। भाजपाई फंसानेवाले लोग हैं, बचानेवाले नहीं। भाजपा किसी की सगी नहीं है।

मुंशीपुलिया चौराहे पर लग सकती है मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की चौमुखी प्रतिमा मुंशीपुलिया चौराहे पर लगाई जा सकती है। इस्माइलगंज प्रथम वार्ड का नाम भी उनके नाम पर किया जा सकता है। बृहस्पतिवार को सपा पार्षदों व सपा नगर अध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती की पूर्व संध्या पर महापौर को कैंप कार्यालय में मांग पत्र सौंपा। वरिष्ठ सपा पार्षद व पार्षद दल के पूर्व नेता यावर हुसैन रेशू ने बताया यूपी के तीन बार मुख्यमंत्री व रक्षा मंत्री रहे पद्मविभूषण 'नेताजी' मुलायम सिंह यादव की शहर में कोई प्रतिमा नहीं लगी है। उनके नाम पर सड़क, चौराहा या वार्ड भी नहीं है। ऐसे में उनके नाम पर नगर निगम जोन सात में आने वाले इस्माइलगंज प्रथम वार्ड का नामकरण करने व मुंशीपुलिया चौराहे पर उनकी प्रतिमा लगवाने का प्रस्ताव सपा पार्षदों ने बैठक में पास किया है। इसके लिए महापौर सुषमा खर्कवाल के कैंप कार्यालय में मांग पत्र दिया है। महापौर ने प्रस्ताव को नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में रखने का आश्वासन दिया है।

प्रदेश का सद्भाव बिगाड़ने की हो रही कोशिश : मायावती

» संभल मस्जिद सर्वे के मामले में बसपा प्रमुख ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा प्रमुख मायावती ने संभल मस्जिद मामले में प्रतिक्रिया दी है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की मांग की है। संभल की जामा मस्जिद में कोर्ट के एक आदेश के बाद रात को ही सर्वे कराया गया था। जुमे की नमाज को लेकर पीएसी और पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। बसपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- यूपी के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर

अचानक विवाद, सुनवाई और फिर उसके फौरन ही बाद आपाधापी में सर्वे की खबरें राष्ट्रीय चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में है, किन्तु इस प्रकार से सदभाव व माहौल को बिगाड़ने का संज्ञान सरकार तथा सुप्रीम कोर्ट को भी जरूर लेना चाहिए।

उन्होंने एक्स पर लिखा यूपी के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर अचानक विवाद, सुनवाई और फिर उसके फौरन ही बाद आपाधापी में सर्वे की खबरें राष्ट्रीय चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में है, किन्तु इस प्रकार से सदभाव व माहौल को बिगाड़ने का संज्ञान सरकार तथा मा. सुप्रीम कोर्ट को भी जरूर लेना चाहिए। शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज 1:30 बजे होगी। मस्जिद कमेटी ने लोगों से अपील की है कि लोग अपने मुहल्लों की मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा करें और भीड़ न लगाएं शाही जामा मस्जिद में आस पास के जो लोग नमाज पढ़ते आये हैं वही आज जुमे की नमाज यहां शाही जामा मस्जिद में पढ़े। कानून-व्यवस्था में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें और अफवाहों पर ध्यान न दें। शांतिपूर्ण माहौल में जुमे की नमाज अदा करें।

सुहेलदेव पार्टी के श्रम प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए रितेश मल्ल

» रितेश मल्ल को प्रदेश भर से मिली बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ कर्मचारी नेता एवं समाजसेवी रितेश मल्ल को श्रम प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नामित किया है। मल्ल पिछले कई वर्षों से लगातार विभिन्न सामाजिक संगठन एवं कर्मचारी संगठन द्वारा समाज के लाखों युवाओं के नेतृत्व कर रहे थे और संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष भी है।

रितेश मल्ल ने कहा कि निश्चित तौर पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रदेश के समस्त वर्गों तथा युवाओं के हक की आवाज लगातार उठा रहा है तथा ओम प्रकाश राजभर समाज के सभी वर्ग के लोकप्रिय नेता बन चुके है। हम लोग पार्टी के विचारों को प्रदेश

में जन-जन तक ले जाएंगे तथा पार्टी को मजबूत करेंगे । प्रदेश का युवा जब मजबूत होगा तो हर परिवार की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा पूरा प्रदेश मजबूत होगा । इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिवअरविंद राजभरने कहा कि प्रदेश में श्रम विभाग के असंगठित मजदूरों तथा अस्थाई कर्मचारी की तमाम समस्याएं हैं जिनको इस प्रकोष्ठ द्वारा मजबूती से सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने सीएम नीतीश को हाइजेक किया : मुकेश

राजद ने कटाक्ष करते हुए कहा- मुख्यमंत्री के रुतबे को कम करने की बीजेपी कर रही कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। राजद ने भाजपा पर करारा हमला बोला है। उसने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाइजेक कर लिया है। मुख्यमंत्री के लिए कार की सवारी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए हेलीकॉप्टर का इंतजाम कर भाजपा ने यह बात साबित कर दी कि वह नीतीश कुमार के रुतबे को कम करने के लिए साजिश रच रही।

यह बात राष्ट्रीय जनता दल के विधायक मुकेश रोशन ने वैशाली में कही तो सियासी महकम में हलचल सी मच गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मुख्यमंत्री को हाइजेक कर लिया है। धीरे-धीरे नीतीश कुमार के राजनैतिक हैसियत को कम करती जा रही है। आने वाले समय में भाजपा

» सीएम के लिए कार, डिप्टी सीएम के लिए उड़नखटोले का इंतजाम

नीतीश कुमार पैदल चलने पर मजबूर करने वाली है। राजद विधायक ने कहा कि जदयू के प्रदेश अध्यक्ष के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहुंचे थे। चौंकाने वाली बात यह रही कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना से सड़क मार्ग के जरिए कार में बैठकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जबकि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। यह देख सब दंग रह गए। मुकेश रौशन ने कहा की उनखटोले में उड़ते अपने उप मुख्यमंत्री के सामने जिस तरह सीएम नीतीश कुमार सड़क पर दिखे उससे लगता है कि आने समय में कहीं वह नीतीश कुमार को पैदल न कर दें।

नीतीश के नेतृत्व में लड़ेंगे विस चुनाव : सम्राट चौधरी

इधर, एक कार्यक्रम में शामिल हुए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से जब सवाल हुआ तो उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। जदयू-भाजपा के गठबंधन को लेकर सम्राट चौधरी ने साफ कर दिया की नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर गठबंधन में कोई संशय नहीं है।

आलाकमान ही बतायेगा सक्रिय राजनीति में कब लौटूंगा : सिद्धू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व प्रमुख सिद्धू पिछले कई महीनों से पार्टी के कार्यक्रमों और गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव या चार विधानसभा

क्षेत्रों- गिद्दड़बाहा, बरनाला, डेरा बाबा नानक और चब्बेवाल में हुए उपचुनावों के लिए भी प्रचार नहीं किया।

सक्रिय राजनीति में लौटने से संबंधित सवाल के जवाब में सिद्धू ने कहा, यह मेरा आलाकमान है जो जवाब दे सकता है, मैं नहीं दे सकता।'' सिद्धू ने अमृतसर स्थित अपने आवास पर ये बातें कही। इससे पहले, उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू अब कैंसर रोग से उबर गई हैं। अपनी पत्नी के कैंसर से उबरने के बारे में उन्होंने कहा, ''मुझे वास्तव में गर्व महसूस हो रहा है कि नोनी (उनकी पत्नी) को आज चिकित्सकीय रूप से कैंसर मुक्त घोषित कर दिया गया है। पूर्व मंत्री ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू को करीब दो साल पहले खुद के कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी इस रोग से अब पूरी तरह से उबर गई हैं।

थोड़ा इंतजार कर लीजिए नेता जी!

राजनैतिक दलों ने किए अपनी-अपनी जीत के दावे

- सियासी दलों ने एग्जिट पोल से किया किनारा
- महाराष्ट्र में महायुति व महाविकास अघाड़ी में कड़ी टक्कर
- झारखंड में एनडीए व इंडिया गठबंधन में सीधी लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को वोटिंग हो चुकी है। 23 नवम्बर को रिजल्ट आएंगे। पर उससे पहले नेता लोग बेसब्र हो रहें है कोई नतीजे आने का इंतजार नहीं करना चाहता है इसलिए बयानों पर बयान आने लगें है। वोटिंग के बाद आए एग्जिट पोल के आंकड़ों में महाराष्ट्र और झारखंड में एनडीए की सरकार बनने का दावा किया जा रहा है। इसको लेकर तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं के बयान आने शुरू हो गए हैं। जहां इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों के नेता अपनी सरकार आने की बात कर रहे हैं तो एनडीए अपनी जीत के दावे कर रही है।

उधर एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर भी कई लोग सवाल उठा रहे हैं। वहीं अब कांग्रेस, बीजेपी के नेताओं के बयान सियासी गलियारें में तैरने लगें हैं। सबसे ज्यादा नेताओं के बोल महाराष्ट्र चुनाव पर आ रहे हैं। महायुति व महाविकास अघाड़ी के नेता अपने-अपने गठंबधन के जीत के दावे कर रहे हैं। इसी क्रम भाजपा नेता विज ने कहा है कि बीजेपी की सरकार बनेगी वहीं कांगेस नेता हरीश रावत ने कांग्रेस की सरकार बनने की बात की है। उधर महाराष्ट्र में दोनों गठबंधनों ने अभी से सरकार बनाने की कवायद शुरू कर दी है और नेताओं से मिलनाजुलना शुरू कर दिया है।

यह प्रदर्शन की राजनीति है न कि विनाश की राजनीति : शाइना

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से जुड़े एग्जिट पोल पर संजय राउत की प्रतिक्रिया के बाद शिवसेना नेत्री शाइना एनसी ने उन्हें जवाब दिया है। शाइना एनसी ने कहा कि संजय राउत सही बोल रहे हैं कि एग्जिट पोल एक्जैट पोल हैं ही नहीं, एग्जिट पोल ने एमवीए को जितने नंबर दिए हैं, एक्जैट पोल में उससे आधे भी नहीं मिलेंगे, मैं उनको यह सलाह दूंगी कि सर आपकी नैया तो डूब चुकी है, महायुति की सरकार बनने जा रही है। एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना की नेत्री शाइना एनसी ने कहा, कांग्रेस पार्टी और शिवसेना-यूबीटी ने तुष्टिकरण की राजनीति की है. मुस्लिम को दबाए रखो, दलित को दबाए रखो, फिर प्रगति की बात कैसे कर सकते हैं। आप लोगों को अवसर नहीं देने वाला हैं, ऐसे बयानबाजी पर ही उतरेंगे, ये स्पर्धा कांग्रेस और शिवसेना-यूबीटी में को कौन सबसे खराब बयान देगा। शाइना एनसी ने दावा करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि महायुति की सरकार सौ प्रतिशत बनने जा रही है, सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार का ढाई साल का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है काम करके दिखाया है, आधारभूत संरचना देखिए, एयरपोर्ट, बुलेट ट्रेन, कोस्टल रोड, अटल सेतु, और रिफायनरी समेत अनगिनत लिस्ट है, लोग प्रगति के लिए ही वोट देते हैं, यह प्रदर्शन की राजनीति है ना कि विनाश की राजनीति है, मैं मानती हूं कि महायुति वापस आएगी। महाराष्ट्र मुंबादेवी से शिवसेना प्रत्याशी लोगों ने महायुति का काम देखा है, लाड़की बहिन योजना के तहत ढाई करोड़ महिलाओं के खाते में साढ़े सात हजार रुपये गए हैं.युवाओं ने स्टाइपेंड और स्कॉलरशिप स्कीम देखा है. किसानों को एमएसपी और फसल बीमा योजना से राहत मिल रही है. बुजुर्गों को पेंशन मिल रहा है. महिला, युवा, बुजुर्ग और किसानों ने देखा है कि यह प्रगति की सरकार है।

तीन दशक में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में वोटिंग

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए बुधवार (20 नवंबर 2024) को हुए चुनाव में 65 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो पिछले तीन दशकों में सबसे ज्यादा है. गढ़चिरौली और कोल्हापुर जैसे जिले तो इससे कहीं और आगे निकल गए। इन दोनों जिलों में वोटिंग पर्सेंटेज 75 प्रतिशत से अधिक रहा. इस बार सबसे ज्यादा वोटिंग ग्रामीण इलाकों में ही हुई है, जबकि मुंबई में यह आंकड़ा 52 प्रतिशत रहा. देवेंद्र फडणवीस ने इसे लेकर कहा कि जब भी वोट प्रतिशत बढ़ता है तो इसका फायदा बीजेपी को मिलता है।

नाना पटोले ने कहा- 25 नवंबर को सीएम फेस का ऐलान

नाना पटोले ने कहा कि महा विकास अघाड़ी की सरकार आएगी और सीएम के चेहरे पर घोषणा 25 नवंबर को कर दिया जाएगा। महा विकास अघाड़ी और महायुति दोनों ही यह दावा कर रही है कि चुनाव में मतदान का आंकड़ा बढ़ने का फायदा उन्हें होगा. महा विकास अघाड़ी के घटक दल शिवसेना यूबीटी ने कहा कि जब भी मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई है तो देखा गया है कि लोगों ने बदलाव के लिए वोट डाला है और वह परिवर्तन चाहते है।

ईवीएम कांग्रेस के जीने का सहारा है : विज

हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि महाराष्ट्र में भी और झारखंड में भी भारतीय जनता पार्टी सरकार बनाने जा रही है, दोनों जगह पर बीजेपी जीतेगी। उन्होंने एग्जिट पोल के नतीजों को सटीक बताते हुए कहा कि बीजेपी की लोकप्रियता और केंद्र सरकार की नीतियों को जनता का समर्थन है वहीं जीत का आधार बना है। वहीं दूसरी तरफ हरियाणा में कांग्रेस ने 14 सीटों पर ईवीएम हैक करने का आरोप लगाया है और इसको लेकर कांग्रेस हाईकोर्ट जा रही है. कांग्रेस के आरोपों पर तंज कसते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि ईवीएम कांग्रेस के जीने का सहारा है. कांग्रेसी ईवीएम का नाम लेकर रोते रहेंगे उनके पास कुछ नहीं है और ये हर चुनाव में होता है, जब भी कांग्रेस हारती है तो ईवीएम को लेकर रोना-रोती है। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के डरोगे तो मरोगे के नारे पर भी मंत्री अनिल विज की प्रतिक्रिया आई थी। उन्होंने कहा कि खरगे हमेशा मरने की बातें क्यों सोचते हैं, लोगों को सकारात्मकता की ओर बढ़ना चाहिए और जीनें की बातें करनी चाहिए. विज ने कहा कि सदियों से ये बात चली आ रही है कि एकता में ही शक्ति है तो खरगे को भी समझना चाहिए कि एकजुटता से सुरक्षा मिलती है. लेकिन खरगे लोगों को नकारात्मकता की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

निर्दलियों से संपर्क कर रहे कांग्रेस और शरद पवार गुट के नेता

महा विकास अघाड़ी में सत्ता का गुणा-गणित बिठाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। एनसीपी-एसपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील और कांग्रेस नेता बालासाहब थोराट ने कई निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क करना शुरू किया है। कई निर्दलियों से इन दोनों नेताओं ने फोन पर बातचीत की है, हालांकि महा विकास आघाड़ी को भरोसा है कि उसकी ही सरकार आएगी. नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेतृत्व में महा विकास अघाड़ी की सरकार बनेगी और उन्होंने यह दावा भी किया कि कांग्रेस की सबसे ज्यादा सीटें आएंगी, पटोले ने कहा कि जिस तरह से चुनाव के बाद के रुझान आ रहे और जिस तरह से लोग बात कर रहे हैं उस आधार पर राज्य में कांग्रेस के सबसे ज्यादा प्रत्याशी चुनकर आएंगे।

फडणवीस ने मोहन भागवत से की मुलाकात

बीजेपी के सीनियर नेता और डिप्टी सीएम देवेंद्र पडणवीस बुधवार शाम (21 नवंबर 2024) को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। इस मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, राज्य में हुई ज्यादा वोटिंग से बीजेपी उत्साहित है. खुद फडणवीस ने बुधवार (20 नवंबर 2024) को कहा था कि वोटिंग बढ़ने का फायदा उन्हें ही होगा। बीजेपी और महायुति को फिर से जनता का आशीर्वाद मिलेगा. बता दें कि महाराष्ट्र में इस बार वोटिंग प्रतिशत 65 प्रतिशत से अधिक रहा है। सूत्रों के अनुसार, देवेंद्र फडणवीस बुधवार शाम आरएसएस मुख्यालय पहुंचे थे। वहां वह संघ प्रमुख मोहन भागवत से मिले. यह मीटिंग करीब 20 मिनट तक चली. इस दौरान बैठक में संघ के भैयाजी जोशी भी मौजूद रहे. हालांकि, बीजेपी के किसी भी नेता ने इस मीटिंग को लेकर कुछ बताया नहीं है, लेकिन चर्चा हो रही है कि सीएम पोस्ट पर आरएसएस ने फडणवीस के नाम को ग्रीन सिग्नल दे दिया है। माना जा रहा है कि अगर महायुति की सरकार बनती है तो सीएम बीजेपी का ही होगा। इन चर्चाओं के बीच सीएम की रेस में देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे चल रहा है।

महाराष्ट्र-झारखंड में बन रही इंडिया गठबंधन की सरकार : हरीश रावत

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत) ने महाराष्ट्र-झारखंड और उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश चुनाव परिणाम को लेकर बड़ा दावा किया है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि, महाराष्ट्र और झारखंड में हमारा गठबंधन जीत रहा है। बहुत अच्छे बहुमत के साथ गठबंधन सरकार बनाएगा। लोग परिवर्तन चाहते हैं, लोग चाहते हैं गठबंधन के एक विकल्प के रूप में तैयार हो और उसके लिए वोट कर रहे हैं. उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड उपचुनाव को लेकर कहा कि, यहां सत्तारूढ़ को दल चेतावनी देने के लिए, फटकार लगाने के लिए जनता वोट कर रही है. लोग महंगाई, कुशासन, भ्रष्टाचार से तंग हैं. कहा कि, बहुत अच्छी जीत होगी और ये नतीजे भारत और लोकतंत्र के हित में होंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रोजगार के लिए नए सिरे से सोचे सरकार!

भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं।

अभी हाल में प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षा को लेकर छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया था। इससे पहले पेपर लीक की वजह से कई परीक्षा रद्द हो चुकी हैं। पिछले नौ-दस सालों से देश में बेराजगारी बढ़ी है। अब विश्लेषकों का कहना है सरकारों को रोजगार के लिए नए सिरे से सोचना होगा ताकि सुरसा की मुंह की तरह खड़ी समस्या का समाधान हो सके। भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है।

प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है। किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। दूसरे, बेरोजगारी से आशय ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या बढ़ रही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत से अधिक है, देश में भी बेरोजगारी की दर प्रतिशत बढ़ रहा है। अत: देश के युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। भारत में स्टार्ट अपस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं युवाओं को सरकारी नौकरी में तो अवसर मिलने ही चाहिए उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार देने के भी मौके मुहैया करना चाहिए। साथ ही आज युवाओं को अपने स्वयं के व्यवसाय प्रारम्भ करने के प्रयास भी करने चाहिए। इसमें सरकारों को मदद करनी चाहिए। वर्तमान सरकार को एकबार फिर युवा व रोजगार नीति लानी चाहिए। इसमें सभी सियासी दलों की राय लेकर नीति का मसौदा बनाना चाहिए। इससे देश में बेरोजगारों को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिलने के आसार बनेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संकीर्णता की राजनीति को नकारे विवेकशील मतदाता

विश्वनाथ सचदेव

महाराष्ट्र, झारखंड और देश के अलग-अलग हिस्सों में कोलाहल भरा चुनाव-प्रचार थमने के बाद मतदान हो चुका है। प्रचार के शोर का क्या और कितना असर मतदान के नतीजों पर पड़ता है, यह अनुमान लगाना भी सहज नहीं है, लेकिन मतदान की तारीख पास आते-आते राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के प्रचार में आया परिवर्तन बहुत कुछ कह जाता है। इन चुनावों में हमने देखा कि प्रचार की शुरुआत में तो भले ही मुद्दों की कुछ बात हुई हो, अंत तक आते-आते बात सांप्रदायिकता तक पहुंच ही गयी। वैसे आम-चुनाव के परिणाम आने के बाद ही देश की राजनीति को समझने का दावा करने वाले यह कहने लगे थे कि जब भी सत्ता शीर्ष पर बैठे लोगों को यह लगने लगेगा कि उनकी लोकप्रियता में कुछ कमी आ गयी है और वह स्वयं को कुछ असुरक्षित महसूस करेंगे तो वे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को अपना मुख्य मुद्दा बना लेंगे।

यह तो आम चुनाव के परिणामों ने ही बता दिया था कि प्रधानमंत्री लोकप्रियता के उस पायदान से काफी नीचे आ गये हैं जहां वे 2019 के चुनाव के समय थे। पर हरियाणा के चुनाव में भाजपा को मिली अप्रत्याशित विजय ने उनका हौसला काफी बढ़ा दिया था। इसलिए, जब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी मैदान में प्रचार के लिए उतरे तो शुरुआत में उन्होंने ठोस मुद्दे ही उठाये थे। पर जल्द ही उन्हें अहसास होने लगा कि चुनावी सभाओं में उन्हें वह प्रतिसाद नहीं मिल रहा जो पहले मिलता था तो उनके प्रचार का लहजा और स्वर दोनों बदलने लगे! अपने खेल की पिच स्वयं बनाने के आदी हैं प्रधानमंत्री। पहल वे करते थे और विपक्ष की कार्रवाई प्रतिक्रियात्मक ही रहती थी। पर इस बार जब प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा अनायास ही उठा लिया तो संकेत मिलने लगा था कि उन्हें अपनी जमीन कुछ कमजोर नजर आ रही है। यह बात दूसरी है कि जल्दी ही उन्हें अहसास हो गया कि यह नारा उन्हें कमजोर बनायेगा और उन्होंने इसमें कुछ बदलाव करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के 'एक रहेंगे, नेक रहेंगे' को 'एक रहेंगे, सेफ रहेंगे' कर दिया। पर इस बात ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि भाजपा एक रहने का आह्वान बहुसंख्यकों से कर रही थी। यह सही है कि भाजपा के नेता पहले यह कह चुके थे कि 'अब भाजपा को बीस

प्रतिशत के समर्थन की आवश्यकता नहीं है', पर अब भाजपा के नेतृत्व को यह दिख रहा था कि जब तक बहुसंख्यकों का ठोस वोट बैंक नहीं बनता है, उसकी सुरक्षा-दीवार मजबूत नहीं होगी। भाजपा कांग्रेस पर मुसलमानों के वोट बैंक बनाने का आरोप हमेशा से लगाती रही है। भाजपा यह भी समझ गयी थी कि बीस प्रतिशत के वोट बैंक से कहीं मजबूत है अस्सी प्रतिशत का वोट बैंक। और शायद उसका शीर्ष नेतृत्व यह भी अनुभव करने लगा था कि हिंदुत्व को मुख्य मुद्दा बनाना जरूरी हो गया है। यही कारण था कि इस बार के चुनाव-प्रचार में मतदान का दिन नजदीक आते-आते प्रचार में सांप्रदायिकता का रंग दिखने लगा। 'नेक' की जगह 'सेफ' शब्द यूं ही नहीं जोड़ा गया था। यह जताना मुश्किल नहीं था कि सेफ्टी या सुरक्षा किससे चाहिए और किसको चाहिए। बहरहाल, चुनाव किसी युद्ध से कम नहीं होते। महाराष्ट्र के एक पूर्व भाजपाई मुख्यमंत्री ने तो इस चुनाव के 'धर्मयुद्ध' होने की घोषणा भी कर दी और विपक्ष ने इसे चुनाव में धर्म के 'हस्तक्षेप' की संज्ञा भी दे दी। पर धर्म का यह हस्तक्षेप हमारी राजनीति में कब नहीं हुआ? पिछले चुनावों के दौरान ही कपड़ों से लोगों को पहचानने का दावा किया गया था, मंगलसूत्र के छीनने की बात कही गयी थी, आस्था के प्रतीकों से जुड़े नारे चुनाव-प्रचार का हथियार बने थे। इस बार भी हरसंभव तरीके से इस हथियार को आजमाने की कोशिश होती रही है। हमारे संविधान के आमुख में 'पंथ-निरपेक्षता' शब्द जोड़े जाने को बात को अक्सर उछाला जाता रहा है। यही नहीं, चुनाव-प्रचार के आखिरी दिन एक भाजपा नेता ने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि शीघ्र ही राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता को भगवा रंग में रंग देंगे!

धर्म वैयक्तिक आस्था की चीज है। उसका चुनावी-लाभ उठाने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता, न ही किया जाना चाहिए। विविधता में एकता वाला देश है हमारा। धार्मिक विविधता हमारी ताकत है। इसलिए, धर्म को राजनीति का हथियार बनाना अपने संविधान की भावना के विरुद्ध काम करना है। यह अपने आप में एक अपराध है। इस अपराध की 'सजा' मतदाता ही दे सकता है। ऐसा कब होगा या हो पायेगा, पता नहीं। लेकिन होना चाहिए। जागरूक और विवेकशील मतदाता का दायित्व बनता है कि वह गलत तरीके से की जाने वाली राजनीति को नकारे। बात सिर्फ सांप्रदायिक भावना को उभारने की ही नहीं है।

भारतीय फिल्में हथियार भी होती हैं!

श्रीनिवास

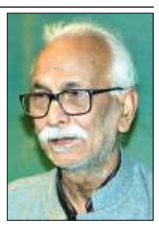

साबरमती इस कड़ी की अंतिम फिल्म नहीं है! फिल्म सहज मनोरंजन के साथ ही जनता समाज में सकारात्मक संदेश देने का भी एक सशक्त माध्यम है। मगर साथ ही यह प्रोपगेंडा का हथियार भी हो सकती है। जर्मनी में हिटलर के सहयोगी गोयबल्स ने इसका बखूबी इस्तेमाल किया था। यहूदियों को बुरा और 'शत्रु' के रूप में चित्रित करने के साथ ही हिटलर को जर्मन राष्ट्र के 'उद्धारक' के रूप में स्थापित करने में ऐसी प्रोपगेंडा फिल्मों का भी खासा योगदान था। भारत में भी बीते दस वर्षों से यह प्रयोग हो रहा है। याद कीजिए कि आजादी के बाद गांधी या नेहरू को नायक बना कर या उन पर केंद्रित या उनके महिमामंडन के लिए कितनी फिल्में बनीं? शायद एक भी नहीं। हां, उस दौर की अनेक फिल्में आजादी के मूल्य और नया भारत गढ़ने की थीम पर बनीं, गांधी-नेहरू के जीवन और विचारों से प्रेरित व प्रभावित फिल्में भी बनीं। मगर उनको किसी राजनीतिक इरादे से बनी प्रोपगेंडा फिल्म नहीं कह सकते।

अब देश की दूसरी या 'असली' आजादी, यानी 2014 के बाद कुछ फिल्मों को याद कीजिए- द कश्मीर फाइल्स, द केरला स्टोरी, पृथ्वीराज चौहान, स्वातंत्र्यवीर सावरकर, नरेंद्र मोदी, ताशकंद फाईल्स, गोधरा और अब साबरमती... ईमरजेंसी भी आ रही है, माना जाता है कि जिसका रिलीज राजनीतिक कारणों से टाल दिया गया। वैसे कुछ सिख संगठनों ने आपत्ति भी की है, एक कारण यह भी बताया गया! इन फिल्मों में कॉमन क्या है? थोड़े सच में झूठ मिला कर, कुछ सच छिपा कर इतिहास के किसी प्रसंग का एकांगी मनमाना चित्रण, जिससे हिंदुओं में गौरव का भाव जागृत हो सके; अतीत में विधर्मियों की क्रूरताओं, हिंदुओं के साथ हुई ज्यादतियों को अतिरंजित करके दिखाना; आजाद भारत की पिछली सरकारों के कथित दागदार अतीत, छल और हिंदुओं के साथ कथित भेदभाव को उजागर करना; या फिर अपने पसंदीदा 'महापुरुषों' के नायकत्व को नये सिरे से स्थापित करना!

इन फिल्मों के निर्माण के पीछे का राजनीतिक उद्देश्य भी स्पष्ट है, इनकी रिलीज की टाइमिंग देखें, तो बात और स्पष्ट हो जायेगी। एक और समानता यह कि इन सभी फिल्मों को खास लोगों ने देशभक्ति से ओतप्रोत और 'राष्ट्रवादी' फिल्म बताया। साथ ही भाजपा की राज्य सरकारों ने टैक्स फ्री कर दिया, प्रधानमंत्री सहित केंद्र व राज्य के मंत्रियों/नेताओं ने प्रमोट किया, विशेष स्क्रीनिंग की गयी। 'द केरला स्टोरी' को तो खुद प्रधानमंत्री मोदी ने खुले मंच से 'सत्य पर आधारित' बता कर लोगों से देखने का अनुरोध किया। हालांकि बाद में अदालत के आदेश पर फिल्म निर्माता को फिल्म के साथ यह डिस्क्लेमर दिखाना पड़ा कि कहानी सिर्फ तीन लड़कियों की आपबीती पर आधारित है, 'तीन हजार' लड़कियों के साथ ऐसा हुआ, यह कहने का कोई प्रमाण नहीं है! मगर अफसोस कि इनमें से एकाध को छोड़ कर कोई फिल्म धमाल नहीं मचा सकी। यहां तक कि 'अवतार' जी की जीवनी और सावरकर पर बनी फिल्म को देखने में भी पब्लिक ने कोई रुचि नहीं दिखायी!

प्रसंगवश, आजादी के तत्काल बाद एक फिल्म डॉ कोटणीस की अमर कहानी बनी थी। डॉ कोटणीस ने चीन जाकर एक जानलेवा रोग के पीड़ितों की सेवा करते हुए जान गंवा दी थी। आज भी चीन में उनका सम्मान है। फिल्मों के एक जानकार के मुताबिक फिल्म के प्रीमियर पर प्रधानमंत्री नेहरू को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने यह कह कर मना कर दिया था कि एक कमर्शियल फिल्म के प्रीमियर पर मेरा जाना उचित नहीं होगा, इससे यह संदेश जा सकता है कि प्रधानमंत्री इसे प्रमोट कर रहे हैं। 'साबरमती' मैंने नहीं देखी है; ऊपर की सूची में से कोई नहीं, न देखने की प्रेरणा है। मगर अनुमान लगा सकता हूं; इसके उद्देश्य का भी। फिल्म में नायक बने अभिनेता का यह बयान ही काफी है उसकी और फिल्मकार की समझ और दृष्टि को समझने के लिए कि 2014 के पहले भारत का हिंदू डरा हुआ था, खुद को गर्व से हिंदू नहीं कह पाता था! यह भाजपा की एक महिला सांसद (जो अभिनेत्री भी रही हैं) के उस कथन की याद दिलाता है कि भारत को आजादी 2014 मे मिली! सच है कि 27 फरवरी 2002 को गोधरा स्टेशन पर एक भयावह घटना हुई थी। 'साबरमती' एक्सप्रेस की दो बोगियों में लगी आग में करीब पचास यात्रियों की मौत हो गयी। सभी यात्री हिंदू और संभवत: 'कारसेवक' थे।

फिल्मकार का दावा है कि हम उस घटना का 'सच' दिखा रहे हैं, जिसे अब तक छिपा कर रखा गया है! कौन सा सच? यह कि वह आग मुसलिम उपद्रवियों की भीड़ ने लगायी थी? कि उसके पीछे बड़ी साजिश थी? कमाल है! 2002 से अब तक गुजरात में भाजपा की सरकार है। 2013 तक तो नरेंद्र मोदी ही मुख्यमंत्री रहे। 2014 से वे प्रधानमंत्री हैं, तो उस 'सच' को छिपाता कौन रहा है? गोधरा में जो हुआ, उसे लेकर अलग अलग बात कही जाती रही है, अलग-अलग एंगल से भी। उसके पीछे राजनीतिक मंशा भी होती ही है। हालांकि उस घटना को 'बड़ी साजिश' और आतंकवादी कार्रवाई कहे जाने पर, जैसा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी (अब प्रधानमंत्री) ने बिना किसी जांच के घटना के तत्काल बाद कह दिया था, अनेक सवाल किये जा सकते हैं। मगर मान लिया कि उस घटना को एक 'साजिश' के तहत अंजाम दिया गया था; और वह आतंकवादी कार्रवाई थी।

भाप लें

भाप लेना सबसे आसान और असरदार इलाज है। संक्रमण को रोकने में इससे काफी फायदा मिलता है। इससे सांस लेने वाली नली तो ठीक रहती ही है और आपके फेफड़े भी स्वस्थ्य रहते हैं। सामान्य तौर पर भाप लेने का सबसे पुराना और घरेलू तरीके गर्म पानी है। लोग इसी से भाप लेते हैं। यह सबसे आसान भी है। लोगों को सिर पर तौलियां रखकर आंख बंद करके भाप लेनी चाहिए। इससे इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। बाजार के उपकरण से भी भाप ले सकते हैं, लेकिन इस दौरान ध्यान रखने की जरूरत है कि भाप गले और सांस लेने वाली नली के आखिर तक जानी चाहिए। इससे ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त होगा। रोजाना दो से तीन बार भाप लेने से काफी फायदा मिलता है। खांसी व बंद नाक में भी इससे काफी राहत मिलती है। इससे गले में आराम मिलता है और बलगम भी साफ होता है। भाप लेने से कई अन्य परेशानियों से भी आपको राहत मिलेगी।

पीएं हल्दी वाला दूध

सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार या दर्द से निजात पाने में पहला जिक्र हल्दी वाले दूध का छिड़ता है। हल्दी दूध सदियों से हर भारतीय घर का हिस्सा रहा है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए प्रमुखता से इसका इस्तेमाल किया जाता है। आज भी कई लोग अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं। दरअसल हल्दी कई गुणों से भरपूर होती है। हल्दी में करक्यूमिन नाम का एक कंपाउंड होता है, जो एक पॉवरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। ये एंटीऑक्सीडेंट बॉडी में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को रोकने में हेल्प करता है। यह खांसी, जुकाम, बुखार और इनडाइजेशन सहित कई बीमारियों से आपकी सुरक्षा कर सकता है। इसलिए रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीने से गले की खराश में राहत मिलती है।

काली मिर्च

गले में दर्द और खराश से छुटकारा दिलाने में काली मिर्च भी पीछे नहीं होती है। इसमें मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी, एंटीमाइक्रोबियल और एंटीबैक्टीरियल गुण बंद गले को खोलने में कारगर तरीके से काम करते हैं। आप इसे कूटकर शहद के साथ भी चाट सकते हैं।

गर्म पानी से गरारे करें

यदि आप गले की खराश से परेशान हैं तो गुनगुने पानी में चुटकीभर नमक डालकर दिन में 2-3 बार गरारे करें। यह गले की सूजन और खराश को कम करने में सहायक होता है।

गले में है खराश तो करें ये काम

गिरते तापमान के साथ ही ठंड ने जोर पकड़ लिया है। दिल्ली समेत पूरा उत्तर भारत में इस समय कोहरे का असर दिखने लगा है। वैसे भी सर्दियां आते ही अक्सर कई लोग खांसी-जुकाम का शिकार हो जाते हैं। साथ ही कुछ लोग इस मौसम में गले की खराश से परेशान रहते हैं। लगातार खांसी और गले में खराश जैसी समस्या जैसे बेहद आम हो गई है। वैसे तो खराश के लिए बाजार में तमाम तरह की दवाई और सिरप मौजूद है, जिनके इस्तेमाल से आपको तुरंत राहत मिलेगी लेकिन बाद में दूसरी परेशानियों की वजह बन जाती हैं। ऐसे में अगर आप भी इस सर्दी गले की खराश से परेशान हैं और बिना दवाई जल्द इससे आराम पाना चाहते हैं, तो इन घरेलू उपायों को अपना सकते हैं। इन नुस्खों से आप खांसी और खराश जैसी गंभीर समस्या से राहत पा सकते हैं। तो यदि आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं तो इन इन नुस्खों का इस्तेमाल जरूर करें।

तुलसी वाली चाय पीएं

हर भारतीय घर में किचन गार्डन में तुलसी का पौधा होता है, इसलिए इस पौधे के ऐसे जबरदस्त फायदे हैं जो आपकी उंगलियों पर नहीं गिने जा सकते। कई स्वास्थ्य लाभों के कारण तुलसी को जड़ी-बूटियों की रानी कहा जाता है। तुलसी की चाय स्वास्थ्य को बढ़ाती है, जीवन को लम्बा करती है और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाती है। गले की खराश को साफ करने के लिए आप तुलसी वाली चाय का सेवन कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए आप अदरक, इलायची, तुलसी और दालचीनी मिलाकर अपने स्वादअनुसार चीनी डालकर बना सकते हैं। तुलसी अपने शक्तिशाली एडाप्टोजेनिक और एंटीऑक्सिडेंट प्रभावों के लिए प्रसिद्ध है। तुलसी की चाय में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से कोशिकाओं को बचाते हैं, जो कई बीमारियों के विकास और प्रसार को बढ़ावा देते हैं। इसे बनाने के लिए आप अदरक, इलायची, तुलसी और दालचीनी मिलाकर अपने स्वादअनुसार चीनी डालकर बना सकते हैं।

हंसना मना है

एक अंकल ने सोनू से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है? सोनू ने जवाब दिया- अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं।

सुरेश- तेरे घर से हमेशा हंसने की आवाज आती है, इतनी खुशी का राज़ क्या है? रमेश- मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाए तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं।

एक महिला के पास फोन आया, आपका बेटा हमारे पास है, 25000 लेकर आओ, महिला- मैं पुलिस को फोन करती हूं, फोन करने वाला - हम पुलिस ही बोल रहे हैं, आपके बेटे का अपहरण नहीं, चालान हुआ है।

संता- मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं। लड़की-पर मैं तुमसे बड़ी हूं। पूरे एक साल। संता- कोई बात नहीं। मैं एक साल बाद शादी कर लूंगा।

शिष्य- गुरूजी, ऐसी पत्नी को क्या कहते हैं, जो गोरी हो, लंबी हो, सुन्दर हो, होशियार हो, पति को समझती हो, कभी झगड़ा नहीं करती हो? गुरूजी- उसे मन का वहम कहते हैं, बेटा.. मन का वहम!

कहानी | कबूतर और मधुमक्खी

एक समय की बात है। एक जंगल में नदी किनारे एक पेड़ पर कबूतर रहता था। उसी जंगल में एक दिन कहीं से एक मधुमक्खी भी गुजर रही थी कि अचानक से वह एक नदी में जा गिरी। उसके पंख गीले हो गए। उसने बाहर निकलने के लिए बहुत कोशिश की, लेकिन वह नहीं निकल सकी। जब उसे लगा कि वह अब मर जाएगी, तो उसने मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया। तभी पास के पेड़ पर बैठे कबूतर की नजर उस पर पड़ गई। कबूतर ने उसकी मदद करने के लिए तुरंत पेड़ से उड़ान भर ली। कबूतर ने मधुमक्खी को बचाने के लिए एक तरकीब सोची। कबूतर ने एक पत्ते को अपनी चोंच में पकड़ा और उसे नदी में गिरा दिया। वह पत्ता मिलते ही मधुमक्खी उस पर बैठ गई। थोड़ी ही देर में उसके पंख सूख चुके थे। अब वह उड़ने के लिए तैयार थी। उसने कबूतर को जान बचाने के लिए धन्यवाद बोला। उसके बाद मधुमक्खी वहां से उड़कर चली गई। इस बात को कई दिन बीत चुके थे। एक दिन वही कबूतर गहरी नींद में सो रहा था और तभी एक लड़का उस पर गुलेल से निशाना लगा रहा था। कबूतर गहरी नींद में था, इसलिए वह इस बात से अंजान था, लेकिन उसी समय वहां से एक मधुमक्खी गुजर रही थी, जिसकी नजर उस लड़के पर पड़ गई। यह वही मधुमक्खी थी, जिसकी कबूतर ने जान बचाई थी। मधुमक्खी तुरंत लड़के की ओर उड़ गई और उसने जाकर सीधे लड़के के हाथ पर डंक मार दिया। मधुमक्खी के काटते ही लड़का तेजी से चिल्ला पड़ा। उसके हाथ से गुलेल दूर जाकर गिरी। लड़के के चिल्लाने की आवाज सुनकर कबूतर की नींद खुल गई थी। वह मधुमक्खी के कारण सुरक्षित बच गया था। कबूतर सारा माजरा समझ गया था। उसने मधुमक्खी को जान बचाने के लिए धन्यवाद बोला और दोनों जंगल की ओर उड़ गए।

कहानी से सीख: इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें मुसीबत में फंसे व्यक्ति की मदद जरूर करनी चाहिए। इससे हमें भविष्य में इसके अच्छे परिणाम जरूर मिलते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। समय अनुकूल है।

वृषभ

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

सिंह

किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या

धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुभय रहेगा।

तुला

धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा।

वृश्चिक

किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ

दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

मैंने भूलभुलैया-3 और सिंघम अगेन के लिए की थी प्रार्थना : माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड | गपशप

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 ने खूब बज क्रिएट किया है। फिल्म अभी भी थिएटर में लगी है और खूब कमाई कर रही है। इस फिल्म का रोहित शेट्टी और अजय देवगन की फिल्म के साथ क्लैश था। फिल्म दीवाली के मौके पर रिलीज हुई थी और दोनों ही फिल्मों की अच्छी शुरुआत हुई थी। हालांकि, अब धीरे-धीरे सिंघम अगेन का चार्म फीका पड़ता दिख रहा। वहीं भूल भुलैया 3 सुपरहिट हो चुकी है। इस फिल्म में माधुरी दीक्षित भी अहम रोल में नजर आ रही हैं। अब उन्होंने भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन के क्लैश पर बात की है।

माधुरी दीक्षित ने कहा-मैंने प्रार्थना की थी कि दोनों फिल्में अच्छी चलें। क्योंकि अगर फिल्में नहीं चलेंगी तो इंडस्ट्री कैसे ग्रो करेगी? दिल के समय भी ऐसा हुआ था। उन्होंने बताया कि दिल और घायल एक साथ रिलीज हुई थी और कोई कैसे इस बारे में बात कर रहा था कि एक फिल्म रोमांटिक है और दूसरे अच्छी चलेगी।

दोनों ही फिल्में ब्लॉकबस्टर हो गई थीं। अच्छी फिल्म इंडस्ट्री के लिए हर शुक्रवार ब्लॉकबस्टर फिल्म होनी चाहिए।

आगे उन्होंने कहा- हर कोई पैसा बनाने के लिए मूवीज बनाता है। और इसी उम्मीद के साथ इंवेस्टमेंट करता है। एक्टर्स के लिए भले ही फिल्में न चले, लेकिन उनके काम की सराहना की जाती है। एक्टर्स सेट पर लोगों के साथ रिश्ता बनाते हैं। हमने भूल भुलैया 3 के सेट पर भी ऐसा ही किया। हम एक दूसरे की टांग खींचते थे। वन लाइनर मारते थे। इससे सेट पर अच्छा माहौल बन गया था। ये बॉन्ड हमेशा के लिए रहता है, अगर आप 30 साल बाद भी क्यों न मिल रहे हों। बता दें कि भूल भुलैया 3 में विद्या बालन, तृप्ति डिमरी, राजपाल यादव जैसे स्टार्स भी हैं। फिल्म को अनीस बज्मी ने बनाया है।

दिल्ली के प्रदूषण से परेशान हुईं ऋचा

"दिल्ली में जीना यानी मौत की सजा...मेरे बचपन का शहर मेरा स्कूल, मेरी जड़ें। ऐसी दशा देखकर दिल टूट गया है। जब तक हम हमारे लिए नहीं सोचेंगे, नेता भी कुछ नहीं करेंगे। - ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा ने हाल ही में पर्यावरण को लेकर बात की है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर इस बारे में बात की है। ऋचा चड्ढा ने अब दिवाली के बाद दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर बात की है। आधिकारिक एक्स अकाउंट पर ऋचा चड्ढा ने शहर में पटाखे जलाए जाने का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शहर में धुंध की मोटी परत छाई हुई थी। उन्होंने पोस्ट में कहा, कुछ इलाकों में AQI का स्तर 1000+ तक पहुंच गया था, जो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है।

दिल्ली में बुरा है हाल

दिल्ली में प्रदूषण के चलते ग्रैप चार लागू है। इसके बावजूद भी दिल्ली की हवा गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार बुधवार सुबह 9 बजे दिल्ली में 24 घंटे की औसत गुणवत्ता 424 दर्ज की गई। मंगलवार को शाम चार बजे करीब एक्यूआई 460 रिकॉर्ड किया गया।

बॉलीवुड | मसाला

ऋचा चड्ढा ने इस बात को लेकर गंभीरता से बात की है। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा कि प्रदूषण के कारण बच्चा करने से कतरा रहीं थीं। अभिनेत्री ने कहा कि वे जलवायु की दशा देखकर अपने बच्चे का स्वागत करने से भी डर रही थीं। ऋचा ने कहा, गर्मियों और सर्दियों में तापमान अपने चरम पर पहुंच रहे हैं। जलवायु की दशा हिली हुई है।

बॉलीवुड | मन की बात

डर के कारण मैं राजनीति में नहीं आ पाई : रवीना टंडन

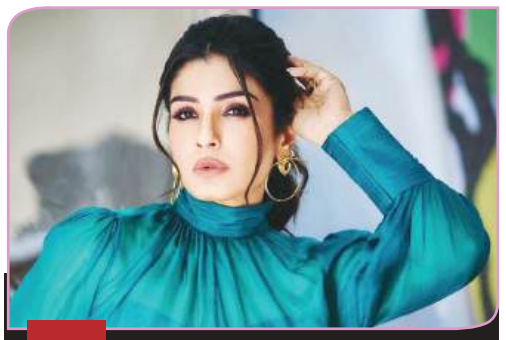

खूबसूरत और सफल अभिनेत्री रवीना टंडन अपनी बेबाकी की वजह से जानी जाती हैं। एक्ट्रेस का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह बता रही हैं कि राजनीति की दुनिया में वह कदम क्यों नहीं रख पाईं। रवीना ने वीडियो में बताया है कि ईमानदारी और गलत कामों को बर्दाश्त न कर पाने की उनकी आदत के कारण उनके राजनीति में बने रहना चुनौतीपूर्ण हो जाता। वायरल हो रहे क्लिप में पटना शुक्ला की अभिनेत्री ने कहा, मैं जिस दिन राजनीति में आऊंगी तो मेरे इस व्यवहार की वजह से मुझे जल्द ही कोई गोली मार देगा। अपनी बात को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, मैं सच को झूठ में नहीं बदल सकती। मेरे लिए यह मुश्किल हो जाता है क्योंकि जो भी मुझे नापसंद होता है, वह मेरे चेहरे पर झलकता है और फिर मैं उसके लिए लड़ना शुरू कर देती हूं। आज की दुनिया में ईमानदारी शायद सबसे अच्छी नीति नहीं है। इसलिए जब भी कोई मुझसे राजनीति में शामिल होने के लिए कहता है तो मैं कहती हूं कि मैं आई तो बहुत जल्द मेरी हत्या कर दी जाएगी। यह वीडियो साल 2022 का है, जो एक्स पर एक इंटरैक्टिव सेशन का है। उसमें यूजर्स ने उनसे सवाल किया कि क्या वह राजनीति में आ सकती हैं। इसके जवाब में उन्होंने यह बात कही? रवीना ने वीडियो में बताया कि एक समय ऐसा भी आया था, जब वह राजनीति में आने पर गंभीरता से विचार कर रही थीं। मोहरा अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उन्हें पश्चिम बंगाल, पंजाब और मुंबई समेत देश के कई क्षेत्रों में राजनीतिक सीटों के लिए प्रस्ताव मिले थे। हालांकि, उन्होंने उन प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। वर्कफ्रंट की बात करें 1991 में हिट फिल्म 'पत्थर के फूल' से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री इंडस्ट्री को 'मोहरा', 'दिलवाले', 'आतिश' समेत कई सुपरहिट फिल्में दे चुकी हैं। वह पिछली बार 'पटना शुक्ला' में एक वकील की भूमिका में नजर आई थीं। बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। राशा अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित फिल्म 'आजाद' में लीड रोल में नजर आएंगी। राशा के अगेंस्ट अभिनेता अजय देवगन के भांजे अमन देवगन नजर आएंगे।

महिला के घर के नीचे से आती थी अजब आवाज, पुलिस आई तो देखकर उड़े होश

रात का वक्त ऐसा होता हैं, जब हमें थोड़ा सा शोर भी ज्यादा लगने लगता है क्योंकि अंधेरे में सब कुछ शांत रहता है। सोचिए अगर इसी दौरान आपको कुछ अजीब सी आवाजें आने लगें, तो आपकी हालत क्या होगी? एक अमेरिकन महिला के साथ भी ऐसा ही हुआ, जो बुरी तरह डर गई और पुलिस को शिकायत कर दी। ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही अंधेरा होने लगता था, महिला को घर से अजीब सी आवाज आने लगती थी। खासतौर पर घर के नीचे की ओर से ये आवाज सुनाई देती थी, जिसकी वजह चौंकाने वाली थी। लॉस एंजेलस में हुई ये घटना सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे क्योंकि महिला इसे जितना डरावना समझ रही थी, ये उससे भी कहीं ज्यादा थी।

93 साल की एक महिला लॉस एंजेल्स के एल सेरेनो में रहती थी। उसे पिछले कुछ हफ्तों से अपने घर के नीचे से कुछ अजीबोगरीब सी आवाज़ें सुनाई देती थीं। दिन में तो उसे पता नहीं चलता लेकिन रात में ये आवाज़ बढ़ जाती थी, मानो कोई जानवर घर के नीचे मौजूद हो। महिला को भी लगा कि घर के नीचे लेटकर जाने भर की जगह है, तो शायद कोई कुत्ता या दूसरा जानवर वहां मौजूद है। इसी बीच एक दिन ये आवाज़ तेज़ हो गई, तो महिला घबरा गई। उसने तुरंत पुलिस को फोन कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घंटों तक वहां रही। उन्होंने अंदर पुलिस डॉग्स को भेजा, लेकिन कोई बाहर नहीं आया। फिर उन्होंने टियर गैस भी छोड़ी, पर कोई बाहर नहीं आया। बहुत कोशिशों के बाद आखिरकार उस जगह से एक आदमी बाहर आया, जिसके शरीर पर कोई कपड़ा ही नहीं था। वो सेरेनो के घर के नीचे मौजूद जगह में 6 महीने से रह रहा था, ये जानकर महिला के होश उड़ गए।

अजब-गजब | यहां हिंदू-मुस्लिम दोनों की है आस्था

इस पहाड़ी पर प्रसाद खाने आती हैं लोमड़ियां!

गुजरात। हर साल लाखों टूरिस्ट कच्छ के सफेद रेगिस्तान को देखने आते हैं। आमतौर पर टूरिस्ट वॉच टॉवर के जरिए सफेद रेगिस्तान का दीदार करते हैं। हालांकि, इसे देखने का एक बेहतर ऑप्शन है काली पहाड़ी! कच्छ की काली पहाड़ी भुज से लगभग 70 किलोमीटर दूर है। इसे कच्छ का कैलाश पर्वत कहा जाता है। कच्छ की काली पहाड़ी हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लिए एक पवित्र तीर्थ भी स्थल है। काली पहाड़ी पर पचमई पीर भी है। साथ ही यहां एक ऐसा मंदिर है, जहां लोमडियां प्रसाद खाने आती हैं। काली पहाड़ी का दत्तात्रेय मंदिर काली पहाड़ी पर गुरु दत्तात्रेय का मंदिर है, जो कच्छ का एक फेमस धार्मिक स्थल है। इस मंदिर में भगवान दत्तात्रेय के छठे रूप के दर्शन किए जा सकते हैं। मंदिर का पुनर्निर्माण कच्छ के भूकंप के बाद किया गया था। माना जाता है कि जब गुरु दत्तात्रेय ने बलूचिस्तान में हिंगलाज माताजी के दर्शन किए, तब उनके चरण काली पहाड़ी पर पड़े, जिसके बाद यहां उनकी पादुका स्थापित की गई थी।

काली पहाड़ी से जुड़ी एक रोचक कहानी है, जो लाख गुरु कारी से जुड़ी है। लाख गुरु यहां के पुजारी थे, जिन्होंने कई जानवरों को वश में किया था। एक दिन, एक लोमड़ी गुरू के पास

आई पर उनके पास उसे देने के लिए कुछ भी नहीं था। तब लाख गुरु ने अपना शरीर का एक हिस्सा लोमड़ी को अर्पित किया। लोमड़ी उस अंग को बिना खाए वापस चली गई. तभी गुरू ने कहा, लो-आंग। तभी से इस जगह को 'लॉन्ग ओटलो' का नाम मिला। तब से लेकर आज तक, गुरु दत्तात्रेय को नैवेद्य (मीठे चावल का भोग) अर्पित किया जाता है। ठंड के मौसम में काली पहाड़ी के लॉन्ग ओटलो में इस प्रसाद को अर्पित किया जाता है। खास बात ये है कि सर्दी के मौसम में लोमड़ियां भी ये प्रसाद ग्रहण करने आती हैं। सफेद रेगिस्तान के आसपास काली पहाड़ी सबसे बेहतरीन पर्यटन स्थलों में से एक है। ये पहाड़ी 229 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैली हुई है। इसकी उंचाई 462 मीटर है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा बेहद खूबसूरत होता है। अगर आप भी कच्छ जाने का प्लान बना रहे हैं तो इस जगह को विजिट करना ना भूलें!

आग लग जाए तो न जाने कितने मर जायेंगे मेकवेल अस्पताल में!

ये प्राइवेट अस्पताल है या मौत का कुआं, कभी भी हो सकता है हादसा

» नियमों को ताक पर रखकर मरीजों की जान से खेल रहा है अस्पताल

» निजी अस्पतालों की मनमानी से मरीज परेशान

» जिम्मेदार हैं मौन, रुपये के लेन देन में हैं व्यस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अभी पिछले हफ्ते यूपी के झांसी मेडिकल कालेज के बाल विभाग में नियोनेटल वार्ड में भीषण आग लगने से दर्जनों मासूम असमय ही जलकर काल के गाल में समा गये थे। उसके बाद से पूरे प्रदेश में सरकार ने अस्पतालों के आग से सुरक्षा की सुविधाओं पर रिपोर्ट बनाने को कहा था पर ये रिपोर्ट महज खानापूर्ति ही साबित हुए है। प्रदेश की राजधानी समेत कई शहरों के अस्पतालों के निमार्ण मानक के अनुरूप नहीं हुए हैं।

राजधानी के कुछ अस्पतालों का हाल तो यह है वह गलियों में चल रहे

राजधानी में चल रहे हैं अवैध अस्पताल!

है जहां फायर बिग्रेड तो छोड़िए एंबुलेंस तक नहीं जा सकते हैं। कुछ चिकित्सीय संस्थानों में प्रवेश दीवार इतने संकरे है कि वहां स्ट्रेचर तक नहीं पहुंच सकते हैं वहां और व्यवस्था कैसे की जाती होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। बहुत से अस्पतालों में फायर हाइड्रेंट लेगे भी है तो या तो वह काम नहीं कर रहे या एक्सपायर हो चुके हैं। राजधानी में निजी अस्पतालों की मनमानी चरम पर है। गली मोहल्ले से लेकर शहर के पॉश इलाको में खुले निजी अस्पताल मानक के विपरीत धड़ल्ले से संचालित किए जा रहे हैं। इलाज के नाम पर वसूली और मरीज की जान के साथ खिलवाड़ निजी अस्पतालों का पेशा बन चुका है। जिसपर अधिकारी मौन धारण किए हैं। विभूतिखंड इलाके में स्थित मेकवेल अस्पताल इसी संवेदनहीनता का नमूना है। लखनऊ के आसपास के छोटे जिलों से मरीज इलाज के लिए आते हैं। जिसका मेकवेल जैसे अस्पताल भरपूर फायदा उठाते हैं। ये अस्पताल मानकों के विपरीत संचालित किया जा रहा है। आंख मूंद कर बैठे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस मामले पर चुप रहकर निजी अस्पताल के संचालकों और दलालों से सुविधा शुल्क लेकर इस गोरखधंधे को होने दे रहे हैं।

निजी अस्पतालों की होगी जांच : सीएमओ

इस बाबत जब सीएमओ लखनऊ एनबी सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया की मुझे अभी इसकी जानकारी नहीं है। पर उन्होंने कहा कि अगर कोई निजी अस्पताल मानक के अनुरूप नहीं चल रहा है तो उसकी जांच कराई जाएगी और गलत पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फायर सेफ्टी उपकरण सही नहीं हैं, नोटिस भेजा गया है : एफएसओ

एफएसओ गोमतीनगर शिव दरश प्रसाद का कहना है कि फायर सेफ्टी उपकरण सही न पाए जाने पर 3 महीने पहले अस्पताल को नोटिस दिया गया था जिसका अभी तक जवाब नहीं आया है। 2 नोटिस और दी जाएंगी उसके बाद शासन को रिपोर्ट बनाकर भेज दी जाएगी और कारवाई भी होगी।

भारत पहली पारी में 150 रन पर सिमटा

» विराट कोहली 5 रन बनाकर हुए आउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पर्थ। शुक्रवार यानी 22 नवंबर से पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो चुकी है। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है और यह साफ हो जाएगा कि कौन सी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचेगी। भारत को कम से कम चार टेस्ट जीतने की जरूरत है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वह एक भी मैच न हारें। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

भारत की पहली पारी 150 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया के 11 बल्लेबाज मिलकर 50 ओवर भी बल्लेबाजी नहीं कर पाए। 49.3 ओवर में पूरी टीम सिमट गई। नीतीश रेड्डी ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। इसके अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन की पारी खेली। बता दें भारत को 73 के स्कोर पर छठा झटका लगा। जब वॉशिंगटन सुंदर चार रन बनाकर मिचेल मार्श का शिकार बने। भारत की बल्लेबाजी इस टेस्ट में भी फ्लॉप रही है। यशस्वी और पडिक्कल तो खाता तक नहीं खोल सके थे। ध्रुव जुरेल भी 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें मिचेल मार्श ने लाबुशेन के हाथों कैच कराया। केएल राहुल 26 रन और विराट कोहली पांच रन बनाकर आउट हुए। पहले सेशन में भारत का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। टीम को पहला झटका स्टार्क ने दिया। उन्होंने पांच के स्कोर पर यशस्वी जायसवाल को निशाना बनाया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद हेजलवुड ने पडिक्कल को पवेलियन भेजा। वह भी खाता नहीं खोल सके। टीम को तीसरा झटका विराट कोहली के रूप में लगा। वह सिर्फ पांच रन बना सके।

भारत की बल्लेबाजी इस टेस्ट में भी रही फ्लॉप

अश्विन और जडेजा के बिना उतरा भारत

पिछली बार जडेजा और अश्विन दोनों भारत के टेस्ट लाइनअप से जनवरी 2021 में प्रतिष्ठित गाबा टेस्ट में अनुपस्थित रहे थे। तब जडेजा अंगूठे में फैक्चर के कारण मैच नहीं खेल पाए थे, जबकि अश्विन पीठ की समस्या के कारण मैच से बाहर हो गए थे। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की अनुभवी स्पिन जोड़ी को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला। कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस के दौरान इस फैसले की पुष्टि की कि इन दोनों की अनुपस्थिति से वॉशिंगटन सुंदर के एकमात्र स्पिनर के रूप में खेल रहे हैं। बुमराह ने टॉस जीतने के बाद अपने चयन की पुष्टि करते हुए कहा, वाशी एकमात्र स्पिनर हैं।

केजरीवाल का विस चुनाव अभियान शुरू

» पूर्व सीएम ने रेवड़ियों के मुद्दों पर भी की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर फरवरी 2025 में होने वाले आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपना अभियान शुरू कर दिया है। लॉन्च कार्यक्रम में आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल शामिल रहे। उन्होंने रेवड़ियों के मुद्दे पर भी चर्चा की। रेवड़ियों का मुद्दा पार्टी की चुनावी रणनीति का केंद्रीय विषय रहा है। केजरीवाल के संबोधन का उद्देश्य कल्याणकारी नीतियों के लिए पार्टी के दृष्टिकोण को समझाना और मुफ्त सेवाएं प्रदान करने की विपक्ष की आलोचना का जवाब देना था।

सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 को या उससे पहले होने वाले हैं। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद आप ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें अरविंद केजरीवाल तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने। सातवीं दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी, 2025 को समाप्त होने वाला है।

उम्मीदवार घोषित करने में आगे निकली आप

इससे पहले आम आदमी पार्टी ने 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने सूची में पूर्व भाजपा नेताओं ब्रह्म सिंह तंवर, अनिल झा और बीबी त्यागी के साथ-साथ पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी जुबैर अहमद, वीर धींगान और सुमेश शौकीन को भी टिकट दिया है, जो हाल ही में आप में शामिल हुए थे। ब्रह्म सिंह तंवर ने हाल ही में 31 अक्तूबर को आप में शामिल हुए थे। पार्टी ने इन्हें छतरपुर से टिकट दिया है। आप ने किराड़ी से अनिल झा पर भरोसा जताया है। दो बार के विधायक रहे अनिल झा 17 नवंबर को आप का दामन थामा था। लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी को आप उम्मीदवार बनाया गया है जो दो बार के पार्षद हैं। सीलमपुर से आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे पांच बार के विधायक मतीन अहमद के बेटे चौधरी जुबेर अहमद को टिकट दिया है। सीमापुरी से वीर सिंह धींगान चुनाव लड़ेंगे जो कि कांग्रेस के नेता रह चुके हैं। मटियाला से सुमेश शौकीन आप के उम्मीदवार होंगे जो 18 नवंबर को कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। येइसके अलावा करावल नगर से आम आदमी पार्टी ने मनोज त्यागी को टिकट दिया है। गोंद से गौरव शर्मा चुनाव लड़ेंगे। बदरपुर से राम सिंह नेताजी उम्मीदवार होंगे। विश्वास नगर से दीपक सिंगला तो रोहतास नगर से सरिता सिंह आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी।

एनआईओएस का 35वां स्थापना दिवस कल

» पूर्व छात्र साझा करेंगे अपने विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान 23 नवंबर को अपनी 35वां स्थापना दिवस समारोह विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित करेगा। समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्य अतिथि होंगे। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय के सचिव संजय कुमार सम्मानित अतिथि होंगे। प्राची पांडे संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार भी समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

तैयारी में जुटे कर्मचारी

संस्थान के सभी अधिकारी/कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम की तैयारी में जुटे हुए हैं। इस समारोह में एनआईओएस अपनी 35 वर्षों की विकास यात्रा के विभिन्न पड़ावों को रेखांकित करने के साथ-साथ अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों और पाठ्यपुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाएगा। इस अवसर पर एक नए पाठ्यक्रम नाट्यकला का विमोचन और एनआईओएस के अंतर्गत उल्लास स्कूल शिक्षा का शुभारंभ भी किया जाएगा।

एनआईओएस शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत दो राष्ट्रीय शिक्षा बोर्डों में से एक है, जो माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक और व्यवसायिक शिक्षा के लिए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से स्कूली शिक्षा प्रदान करता है।

जल रहा मणिपुर, पर खत्म नहीं हो रही सियासत

भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार जारी, खरगे के आरोपों से नड्डा बैकफुट पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर जल रहा है पर सियासी दलों की राजनीति खत्म नहीं हो रही है। सबसे ज्यादा सवाल सत्ता में बैठी भाजपा पर उठ रहे हैं। वहां की सरकार तो हिंसा रोकने में फेल हो रही है पर केंद्र में बैठी भाजपा की एनडीए सरकार भी निकम्मी साबित हो रही है। अब वहां पर हुए ताजा हिंसा से भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है और दोनों राज्य में संकट के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर मणिपुर अशांति के मुद्दे पर गलत, झूठा और राजनीति से प्रेरित कहानी को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उनकी टिप्पणी कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्तक्षेप की मांग करने और संकट को कम करने में केंद्र की पूरी विफलता का आरोप लगाने के कुछ ही घंटों बाद आई है।

कांग्रेस सरकार की विफलता का खामियाजा आज भोग रहा है मणिपुर : जेपी नड्डा

नड्डा ने अपने पत्र में लिखा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आप भूल गए हैं कि न केवल आपकी सरकार ने भारत में विदेशी आतंकवादियों के अवैध प्रवास को वैध बनाया था, बल्कि तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने उनके साथ संधियों पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अलावा, गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने देश से भाग रहे इन ज्ञात उग्रवादी नेताओं का पूरे दिल से समर्थन किया गया और उनके अस्थिर प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भाजपा अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आपकी सरकार के तहत भारत की सुरक्षा और प्रशासनिक प्रोटोकॉल की पूर्ण विफलता एक प्रमुख कारण है कि उग्रवादी और आदतन हिंसक संगठन मणिपुर में कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को नष्ट करने और इसे कई दशकों तक अराजकता के युग में धकेलने का प्रयास कर रहे हैं।

केंद्र व राज्य सरकार फेल राष्ट्रपति हस्तक्षेप करें : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि वह मणिपुर के मामले में तत्काल हस्तक्षेप करें ताकि राज्य के लोगों की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर हिंसा रोकने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रहने का आरोप भी लगाया था और दावा किया था कि प्रदेश की जनता अब इन दोनों सरकारों में विश्वास खो चुकी है। मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा होने के बाद खरगे ने राष्ट्रपति को दो पृष्ठों का पत्र लिखा। उन्होंने लिखा था, देश को असाधारण रूप से गंभीर त्रासदी झेलनी पड़ी है। पिछले 18 महीनों से मणिपुर में अभूतपूर्व उथल-पुथल के कारण महिलाओं, बच्चों सहित 300 से अधिक लोगों की जान चली गई है। इस त्रासदी ने लगभग एक लाख लोगों को आंतरिक रूप से विस्थापित कर दिया है। लोगों की पीड़ा लगातार बनी हुई है।

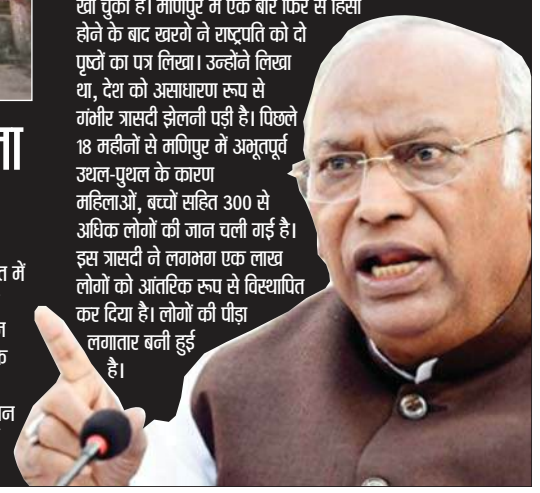

फोटो : 4 पीएम

उद्घाटन कानपुर रोड स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 पर आयोजित विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 25वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का फीता काटकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया उद्घाटन।

पिस्टल तानने का मामला

मैं पुलिस की गोली से नहीं डरती : तोहिदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में एसओ ककरौली राजीव शर्मा के पिस्टल तानने के दौरान सामने खड़ी महिला तोहिदा की तस्वीरें खूब वायरल हुईं। दिनभर उनके घर लोगों की आवाजाही लगी रही। वह कहती हैं कि अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकी, इसका दुख है। पुलिस की गोली से डर नहीं लगा।

सपा नेताओं का कहना है कि पूर्व सीएम अखिलेश यादव से तोहिदा को सम्मानित कराया जाएगा। ककरौली की ड्राइवर अब्दुल समद की पत्नी तोहिदा ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि उसके जेठ के लड़के ने घर लौटकर बताया कि पुलिस ने डंडे मारकर भगा दिया है, मतदान नहीं करने दिया गया। इसके बाद वह परिवार की महिलाओं के साथ मतदान करने जा रही थी। रास्ते में पुलिसकर्मी मिले और पिस्टल तान दी। उसे गोली से डर नहीं लगा।

सुकमा में 10 नक्सली ढेर, जवानों के साथ मुठभेड़, हथियार भी बरामद

» इस साल जनवरी से अब तक मारे गए हैं 257 नक्सली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली ढेर हो गए हैं। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी ने बताया कि दक्षिणी सुकमा में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है।

आईजी के हवाले से कहा गया कि सुबह से गोलीबारी जारी है। तलाशी अभियान जारी है। भंडारपदर के जंगली इलाके में शुक्रवार सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मी नक्सलियों के लिए तलाशी अभियान चला रहे थे। उन्होंने बताया कि एके-47 के अलावा, बलों ने अन्य हथियारों के अलावा एक इंसास और एक सेल्फ-लोडिंग राइफल भी बरामद की है। इस साल जनवरी से अब तक कम से कम 257 नक्सली मारे गए हैं, जबकि 861 गिरफ्तार किए गए और 789 अन्य ने आत्मसमर्पण कर दिया। मौतों की संख्या 2010 के उच्चतम स्तर 1,005 से 90 प्रतिशत कम होकर सितंबर 2024 तक 96 हो गई है। चार दशकों के बाद 2022 में पहली बार मौतों की संख्या 100 से कम रही।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट की नोटिस

» मुस्लिम पक्ष व एएसआई से दो सप्ताह में मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में कथित शिवलिंग का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका पर मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी किया। यह याचिका हिंदू पक्ष की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई थी। इस पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ज्ञानवापी मामले में वाराणसी की निचली अदालत में चल रहे सभी 15 मामलों को हाईकोर्ट में स्थानांतरित करने की हिंदू पक्ष की मांग पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मामला पेश करते हुए हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि कुछ याचिकाएं जिला जज और कुछ सिविल जज के समक्ष हैं। ऐसे में एक ही मामले पर अलग-अलग कोर्ट से अलग-अलग आदेश आ रहे हैं। इसलिए हमारी मांग है कि ज्ञानवापी से जुड़ी सभी याचिकाओं को एक साथ जोड़कर इलाहाबाद हाईकोर्ट मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि हिंदू पक्ष वुजुखाना के सील किए गए इलाके का एएसआई सर्वे चाहता है। जिला कोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया था, जिसके बाद हाईकोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी। हमने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उस याचिका पर फैसला अभी लंबित है।

हिमाचल सरकार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

31 मार्च तक खुले रहेंगे पर्यटन निगम के नौ होटल

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट से प्रदेश सरकार, पर्यटन विकास निगम को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने पर्यटन विकास निगम के नौ होटलों को 31 मार्च 2025 तक खुले रखने के आदेश दिए हैं। इसमें चायल, चंद्रभागा केलांग, खज्जियार, मेघदूत, लॉग हट मनाली, कुंजम, भागसू, कासल नागर और धौलाधार होटल शामिल हैं। राज्य सरकार पर्यटन विकास निगम के घाटे में चल रहे 18 होटलों को बंद करने के फैसले के खिलाफ सरकार हाईकोर्ट पहुंची है। शुक्रवार को जस्टिस अजय मोहन गोयल की अदालत ही मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने नौ होटलों को को 31 मार्च तक खुले रखने के आदेश दिए। बाकि नौ होटल 25 नवंबर को के फैसले के अनुसार बंद रहेंगे। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया था।बता दें, अदालत ने 19 नवंबर के फैसले में निगम के 40 फीसदी से कम ऑक्यूपेंसी वाले होटल 25 नवंबर से बंद करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने आदेश पर्यटन विकास निगम के पेंशनरों को वित्तीय लाभ न देने पर जारी किए। अदालत ने आदेशों की अनुपालना रिपोर्ट प्रबंध निदेशक को 3 दिसंबर को पेश करने को कहा है। इसके साथ ही चतुर्थ श्रेणी और मृतक कर्मचारियों की सूची भी तलब की है। न्यायालय ने इससे पहले 12 नवंबर को जारी आदेशों में प्रबंध निदेशक से वर्ष 2022 से 2024 तक होटलों की आय का ब्योरा मांगा था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।